भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 4134
दिनांक 19 दिसंबर, 2024

पीएमयूवाई की सफलता और विफलता का आकलन करने के लिए तंत्र

†4134. श्री सुधाकर सिंह :

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के लाभार्थी भी दोबारा गैस भरवाने की अधिक कीमत के कारण रसोई गैस सिलेंडरों का उपयोग करने में असमर्थ हैं;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस मुद्दे के समाधान के लिए सरकार की क्या कार्ययोजना है;
(ग) क्या सरकार के पास इस योजना के कार्यान्वयन के प्रभाव का आकलन करने संबंधी कोई निगरानी तंत्र है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) वर्तमान में ऐसे कितने परिवार हैं जिनके पास अभी भी एलपीजी कनेक्शन नहीं हैं और वे खाना पकाने के लिए लकड़ी, कोयला और उपले जैसे पारंपरिक स्रोतों का उपयोग कर रहे हैं; और
(ड.) सरकार द्वारा ग्रामीण परिवारों, विशेषकर सुदूर क्षेत्रों में, एलपीजी की उपलब्धता और पहुंच सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

. (क) से (ङ) देश भर में गरीब परिवारों की वयस्क महिलाओं को जमानत राशि के बिना एलपीजी कनेक्शन प्रदान करने के प्रयोजन से दिनांक 01.05.2016 को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) का आरम्भ किया गया था। दिनांक 01.12.2024 की स्थिति के अनुसार, भारत में घरेलू एलपीजी के सक्रिय उपभोक्ताओं की कुल संख्या 32.83 करोड़ है जिसमें प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के 10.33 करोड़ कनेक्शन शामिल हैं। यह देश में घरेलू पाइप्ड प्राकृतिक गैस के लगभग 1.38 करोड़ कनेक्शनों के अलावा हैं।

पीएमयूवाई लाभार्थियों की एलपीजी खपत की निगरानी नियमित रूप से की जाती है। परिवारों द्वारा घरेलू एलपीजी को अपनाने एवं खपत विभिन्न घटकों जैसे खाद्य सम्बन्धी आदतों, परिवार के आकार, भोजन पकाने की आदतों, परम्परा, गंध, स्वाद, प्राथमिकताएँ, मूल्य, वैकल्पिक ईंधनों की उपलब्धता तथा व्यवहारगत परिवर्तनों आदि पर निर्भर करती है।

भारत अपनी घरेलू एलपीजी खपत के लगभग 60% हिस्से का आयात करता है। देश में एलपीजी के मूल्य अंतरराष्ट्रीय बाजार में इनके मूल्यों से जुड़े हुए हैं। सरकार घरेलू एलपीजी के उपभोक्ताओं के लिए

प्रभावी मूल्य को आवश्यकतानुसार घटाती-बढ़ाती रहती है। औसत सऊदी सीपी मूल्य (एलपीजी के मूल्य निर्धारण के लिए अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क) में 64% (जुलाई, 2023 में 385 यूएस डॉलर/एमटी से नवम्बर, 2024 में 632 यूएस डॉलर/एमटी) की वृद्धि हुई जबकि भारत में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) उपभोक्ताओं के लिए घरेलू एलपीजी के प्रभावी मूल्य में 44% (अगस्त, 2023 में 903 रुपए से नवम्बर, 2024 में 503 रुपए) की कमी हुई है।

सरकार ने सभी उपभोक्ताओं के लिए दिनांक 30 अगस्त, 2023 से प्रभावी घरेलू एलपीजी के खुदरा बिक्री मूल्य में प्रति 14.2 किलोग्राम एलपीजी सिलेंडर पर 200 रुपए की कमी की है। सरकार ने दिनांक 9 मार्च, 2024 से प्रभावी घरेलू एलपीजी के आरएसपी में 100 रुपए प्रति 14.2 किलोग्राम सिलेंडर की और कमी की है। दिल्ली में घरेलू एलपीजी का वर्तमान में आरएसपी 803 रुपए प्रति 14.2 किलोग्राम सिलेंडर है।

पीएमयूवाई उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी को और अधिक किफायती बनाने तथा उनके द्वारा एलपीजी का निर्बाध उपयोग सुनिश्चित करने के निमित्त, सरकार ने मई, 2022 में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के लाभार्थियों के लिए प्रति वर्ष 12 रिफिल तक 200 रुपए प्रति 14.2 किलोग्राम एलपीजी सिलेंडर (तथा 5 किलोग्राम सिलेण्डर के लिए समानुपातिक यथानिर्धारित) की निर्धारित राजसहायता की शुरूआत की। इसके अलावा, अक्टूबर, 2023 में, सरकार ने सभी प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) लाभार्थियों के लिए निर्धारित राजसहायता को बढ़ाकर 300 रुपए प्रति 14.2 किलोग्राम एलपीजी सिलेंडर (तथा 5 किलोग्राम सिलेण्डर के लिए समानुपातिक यथानिर्धारित) कर दिया। पीएमयूवाई उपभोक्ताओं के लिए 300 रुपए प्रति सिलेण्डर की निर्धारित राजसहायता के बाद, भारत सरकार प्रति 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेण्डर को 503 रुपए के प्रभावी मूल्य (दिल्ली में) पर प्रदान कर रही है। यह पूरे देश में 10.33 करोड़ से अधिक उज्ज्वला लाभार्थियों के लिए उपलब्ध है।

देश भर में एलपीजी तक पहुँच को समुन्नत करने के लिए, अन्य बातों के साथ-साथ पीएमयूवाई को प्रोत्साहित करने के निमित्त अभियान चलाना, कनेक्शनों का नामांकन और वितरित करने के निमित्त मेला/शिविर आयोजित करना, आउट ऑफ होम (ओओएच) होर्डिंगों, रेडियो जिंगलों, सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) वैनों आदि के माध्यम से प्रचार-प्रसार करना, अन्य पारंपरिक ईंधनों की तुलना में एलपीजी का उपयोग करने के लाभों और एलपीजी पंचायतों के माध्यम से एलपीजी का सुरक्षित उपयोग के बारे में जागरूकता फैलाना, विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत नामांकन/जागरूकता शिविर, पीएमयूवाई कनेक्शन प्राप्त करने के निमित्त आधार नामांकन और बैंक खाता खोलने के लिए उपभोक्ताओं और उनके परिवारों की सुविधा प्रदान करना, एलपीजी कनेक्शन प्राप्त करने की प्रक्रिया का सरलीकरण, www.pmuy.gov.in पर पीएमयूवाई कनेक्शन के लिए ऑनलाइन आवेदन, निकटतम एलपीजी वितरक, जन सहायता केन्द्र (सीएससी) इत्यादि, 5 किलोग्राम के डबल बॉटल कनेक्शन (डीबीसी) का विकल्प, 14.2 किलोग्राम से 5 किलोग्राम के सिलेंडर में अदला-बदली का विकल्प और प्रवासी परिवारों के लिए निवास प्रमाण और राशन कार्ड के बजाय स्व-घोषणा के आधार पर नया कनेक्शन प्राप्त करने की सुविधा आदि शामिल हैं। इसके अलावा, ओएमसीज

लगातार नए एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, शुरू कर रही हैं। पीएमयूवाई योजना की शुरुआत से ही, ओएमसीज ने पूरे देश में 7944 डिस्ट्रीब्यूटरशिपों (दिनांक 01.04.2016 से दिनांक 31.10.2024 के दौरान शुरू किए गए) की शुरूआत की है, जिनमें से 7361 (अर्थात 93%) ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत है। पीएमयूवाई उपभोक्ताओं द्वारा घरेलू एलपीजी की लगातार बढ़ती खपत ग्रामीण परिवारों, जिसमें 80% से अधिक पीएमयूवाई उपभोक्ता आते हैं, द्वारा एलपीजी की बढ़ती स्वीकृति का द्योतक है। पीएमयूवाई परिवारों की प्रति व्यक्ति खपत वर्ष 2019-20 में 3.01 रिफिल (14.2 किलोग्राम घरेलू एलपीजी सिलेंडर के संदर्भ में) से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 3.95 और वर्ष 2024-25 में नवंबर 2024 तक 4.34 (वार्षिक आधार पर) हो गई है।

तेल कंपनियों ने घरेलू एलपीजी ग्राहकों तक पहुंच सुनिश्चत करने के उद्देश्य से मार्च, 2024 में "खुशियाँ अब तीन गुना" थीम के तहत एक "बुनियादी सुरक्षा अभियान" शुरू किया। यह अभियान उपभोक्ताओं को एलपीजी के सुरक्षित उपयोग के बारे में शिक्षित करने के लिए बनाया गया है, जिसे प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से व्यापक जन जागरूकता पहल, ग्राहक परिसरों में ऑन-साइट सुरक्षा जाँच और सुरक्षा होज़ों के प्रतिस्थापन द्वारा पूरा किया गया है। अभियान ने उपभोक्ताओं के लिए बिना किसी लागत के 8.0 करोड़ से अधिक निःशुल्क बुनियादी सुरक्षा जाँच और दिनांक 30 अक्टूबर 2024 तक रियायती दरों पर 3.33 करोड़ से अधिक एलपीजी होज़ों को बदलने के साथ महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की है। इसके अतिरिक्त, विभिन्न क्षेत्रीय सुरक्षा पहलों, जैसे एलपीजी पंचायतों और विद्यालयों में एलपीजी सुरक्षा क्लीनिकों के साथ-साथ आम जनता तक पहुँच के लिए ऑडियो-विजुअल (एवी) सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। इन एवीज की पहुँच और प्रभाव को अधिकतम करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी साझा किया जा रहा है।

पीएमयूवाई लाभार्थियों सहित एलपीजी उपभोक्ता इंटरएक्टिव वॉयस रिस्पांस सिस्टम (आईवीआरएस), शॉर्ट मैसेज सर्विस (एसएमएस), व्हाट्सएप, वितरक के फोन पर सीधे कॉल, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, ओएमसी मोबाइल एप्लिकेशन, ओएमसीज के वेब-पोर्टल आदि सहित विभिन्न तरीकों से रिफिल बुक कर सकते हैं। ये विभिन्न विकल्प एलपीजी रिफिल की निर्बाध और परेशानी से मुक्त बुकिंग के लिए उपयोगकर्ता की बेहतर पहुँच प्रदान करते हैं।

दुर्गम क्षेत्रीय वितरकों को छोड़कर सभी वितरकों को अपने संचालन क्षेत्र में बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के एलपीजी सिलेंडरों की होम डिलीवरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

****